B.S.N.V. P.G. College, Charbagh Lucknow

Department of History (MIH)

(B.A. III Semester) Paper II (History of Europe)

Syllabus

HISTORY OF EUROPE (1789-1848)

Unit I

1. Causes of French Revolution1789—social, political, economic, war of American Independence, Role of Philosophers
2. Works of National Assembly and Legislative Body
3. First Republic 1792-1799, Domestic Policy
4. First Republic 1792-1799, Foreign Policy

Unit II

1. Rise of Napoleon
2. Napoleon as the First Consul
3. Continental System
4. Fall of Napoleon

Unit III

1. Vienna Congress
2. Concert of Europe
3. Metternich System
4. War of Greek Independence

Unit IV

1. The Revolution of 1830 and the Great Reform Act 1832
2. Louise Philippe and Revolution of 1848
3. Effect of the Revolution of 1848 in the various countries of Europe
4. Karl Marx: His works and historical import

Dr. Nilima Gupta

Lecture French Part -1

Unit I

1. Causes of French Revolutionv 1789

आधुनिक युग में जिन परिवर्तनों ने पाश्चात्य सभ्यता को हिला कर रख दिया उसमें फ्रांस की क्रांति सर्वाधिक जटिल साबित हुई। इसने इंग्लैंड की 1688 की गौरवशाली क्रांति की भांति केवल सम्राट पर संसद की सर्वोच्चता को स्थापित नहीं किया न ही 1776 की अमेरिकी क्रांति की भांति राजा के स्थान पर राष्ट्रपति को सर्वोच्चता स्थापित की।क्रांति ने तत्कालीन मूल्योंएं आदरशों को धूलधूसरित कर नवीन समझ व राजनीत को जन्म दिया। इतिहास की शायद ही किसी घटना ने पूरे समाज को इतनी गहराई से झकझोरा हो जितना की1789की क्रांति ने ।

कारण

राजनीतक कारण (Political cause)

लुई चौदहवां के उत्तराधिकारी (successors of Louis14) लुई पंद्रहवां-अयोग्य शासक। लुई सोलहवां- मेडलिन ने कहा – वह पैदाइशी राजा नहीं था। रानी- मेरी अंटॉयनेटी(marine Antoinette) – दी अस्ट्रियन। व मैडम डेफिसिट (Madame deficit) कहते थे।

दोषयुक्त शासन (Defective Administration)

- फ्रांस का दरबार देश का मकबरा है।
- फ्रांस में 400 प्रकार के कानून थे
- एक अपराध की भिन्न भिन्न दंड थे।
- विशेष अधिकार (Letter de chachast) किसी को भी बन्दी बनाया जा सकता है।
- दैवी अधिकार का समर्थन, मै ही राज्य हूं।
- 34 इंटेंडेटो के पास शासन व्यवस्था थी।

इसी लिए पुरातन व्यवस्था को शक्तियों का कचरा कहा गया।

सामाजिक कारण-(social causes)

मेडलिन- 1789 की क्रांति का विद्रोह तानाशाही से अधिक असमानता के प्रति था। (Medlin-the revolution of 1789 was much less a rebellion against despotism than a rebellion Against inequality.)

- सामाज का दो वर्गों में विभाजन –
- सुविधा प्राप्त वर्ग सुविधाविहीन वर्ग।
- सुविधा प्राप्त वर्ग भी दो भागों में बता था - पादरी व कुलीन।
- फ्रांस में तीन वर्ग थे जो स्टेट कहलाते थे।– प्रथम स्टेट, (First estate) द्वितीय स्टेट (Second estate) तृतीय स्टेट(Third estate.) क्रमशः- पादरी, सामंत, साधारण वर्ग।
- पादरी की संख्या कुल आबादी के 1/5 भाग था, सामंतों की संख्या लगभग चार लाख थी। शेष संख्या जनसाधारण की थी।
- विशेषाधिकार प्राप्त लोग जहां करों से मुक्त थे वहीं जनसाधारण को जमीदारों, चर्च और राजा को अनेक कर देने पड़ते थे। जमीदारों के खेत में बेगार करनी पड़ती थी। करों को देने के बाद उपज का 20/ रह जाता था। फ्रांस में कहावत थी।
- सामंत लड़ते हैं, पादरी प्रार्थना करते हैं,और जनता व्यय का भार उठाती है। किसानों की स्थिति अच्छी नहीं थी। अपना निर्वाह करना मुश्किल था। कहावत थी।
- फ्रांस में जनता का9/10 भाग भूख से मर जाता था तो 1/10 भाग अधिक खाने से मर जाता था।

आर्थिक कारण (Economic causes)

देश की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। फ्रांस की अर्थ व्यवस्था ठीक नहीं थी। फ्रांस में करदाताओं की इच्छा पर आधारित के व्यवस्था के सिद्धांत का प्रतिपादन नहीं हुआ था। निरंतर कर वृद्धि हो रही थी। राष्ट्रीय आय का लगभग 50/ राष्ट्रीय ऋण चुकाने में चुक जाता था।

- सरकार पदों को बेंच के धन इक्कठा कर रही थी।
- आय और व्यय पर नियंत्रण नहीं था।
- दो प्रकार के कर थे – प्रत्यक्ष कर
- व्यतिगत संपत्ति, आय और जागीर पर लगते थे।
- अप्रत्यक्ष कर – कर ठेकेदार द्वारा वसूले जाते थे। मुनाफाबढ़ाने के लिए ये जरूरत से ज्यादा के वसूलते थे। अनेक करों में नमक कर था जो सात वर्ष से बड़े प्रत्येक व्यक्ति को सात पौंड नमक खरीदना अनिवार्य था। जो गरीब लोगों के लिए असहनीय था । सरकार को बजट संतुलित रखना मुश्किल हो रहा था।

एडम स्मिथ और आर्थर ने- फ्रांस को आर्थिक गलतियों का अजायबघर बताया है एल (A veritable museum of economic errors.) बताया है। यद्यपि नेकर (necker) ने आर्थिक संकट दूर करने का प्रयास किया था। अंततः लुई सोलहवें ने पेरिस की पर्लेमा के दबाव में 175 बरसों बाद स्टेटस जनरल के निर्वाचन के आदेश दिए।

Lecture on French Revolution to be continue …